https://www.jagran.com/uttar-pradesh/varanasi-city-vindhya-expressway-connecting-vindhyavasini-kashi-and-prayagraj-23888401.html

Vindhya Expressway अब मां विंध्यवासिनी-बाबा विश्वनाथ और तीर्थ राज प्रयागराज की राह करेगा आसान

विंध्य एक्सप्रेसवे से मां विंध्यवासिनी बाबा विश्वनाथ और तीर्थराज प्रयागराज की यात्रा अब और आसान हो जाएगी। 320 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे प्रयागराज वाराणसी मीरजापुर चंदौली और सोनभद्र को जोड़ेगा। इसके निर्माण से पूर्वांचल के अधिकांश जिले एक-दूसरे से जुड़ जाएंगे और सफर में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा। प्रारंभ बिंदु प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेस वे होगा जबकि सोनभद्र में एनएच-39 पर इसका समापन होगा।

BY **VIKAS OJHA**
EDITED BY: **VIVEK SHUKLA**
UPDATED: FRI, 21 FEB 2025 04:30 PM (IST)

विंध्य एक्सप्रेस वे का हो रहा विकास। जागरण (सांकेतिक तस्वीर)

HIGHLIGHTS

1. बजट में हुआ 50 करोड़ का प्रविधान, महाकुंभ के दौरान कैबिनेट ने दी थी मंजूरी
2. गंगा-पूर्वांचल एक्सप्रेस भी जुड़ेगा, सड़कों के किनारे तैयार होगा औद्योगिक गलियारा
3. एनसीआर की तर्ज पर वाराणसी व विंध्य क्षेत्र के जिलों के विकास को अब मिलेगी गति

जागरण संवाददाता, वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी ने पिछले कुंभ में गंगा एक्सप्रेस वे तो अबकी प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान हुई कैबिनेट की बैठक में विंध्य एक्सप्रेस वे उपहार स्वरूप प्रदेशवासियों को दिया था। कैबिनेट की मुहर के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को बजट में इस एक्सप्रेस वे के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रविधान कर जमीन पर इसे मूर्तरूप देने का आगाज कर दिया है।

320 किमी लंबाई वाला विंध्य एक्सप्रेस-वे के निर्माण से शक्ति के उपासना स्थल मां के धाम विंध्यावासिनी, महादेव की नगरी काशी व तीर्थों के राज प्रयागराज की राह अब आसान होगी। प्रयागराज, वाराणसी, मीरजापुर, चंदौली और सोनभद्र को यह एक्सप्रेस वे जोड़ेगा। इस नए एक्सप्रेस का प्रारंभ बिंदु प्रयागराज में गंगा एक्सप्रेस वे होगा जबकि सोनभद्र में एनएच-39 पर इसका समापन होगा।

विंध्य एक्सप्रेस वे के निर्माण के बाद पूर्वांचल के अधिकांश जिले एक दूसरे से कनेक्ट हो जाएंगे। रिंग रोड फेज वन-दो, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे भी आगे जाकर इससे जुड़ जाएंगे। कभी टूटी-फूटी सड़कों के सफर में उलझे पूर्वांचल के जनपद अब एक्सप्रेस वे की जाल से आच्छादित होते जा रहे हैं।